

शासक और इमारतें (Rulers and Buildings) – NCERT Class 7

परिचय

प्रिय छात्रों, क्या आपने कभी सोचा है कि राजा महलों में रहते थे, लेकिन उन्होंने केवल महल ही क्यों बनवाए? उन्होंने विशाल किले, ऊँची मीनारें, विशाल मस्जिदें और अद्भुत मकबरे क्यों बनवाए? NCERT कक्षा 7 के इस अध्याय "शासक और इमारतें" में हम जानेंगे कि मध्यकाल के शासकों ने कैसे और क्यों अलग-अलग प्रकार की इमारतों का निर्माण कराया। यह अध्याय आपको सिर्फ इतिहास नहीं पढ़ाता, बल्कि यह समझने में मदद करता है कि शक्ति, धर्म और स्थापत्य कैसे आपस में जुड़े हुए थे।

यह लेख विशेष रूप से [UPSC](#), SSC, Railway, PCS, CTET और स्कूल परीक्षाओं के लिए उपयोगी है। यहाँ हर बात को सरल, सहज और उदाहरण सहित समझाया गया है। चलिए शुरू करते हैं।

शासक और इमारतें का अर्थ है मध्यकालीन भारत में राजाओं और सुल्तानों द्वारा बनवाई गई विशाल संरचनाएँ जैसे किले, महल, मस्जिदें, मकबरे और सार्वजनिक भवन। ये इमारतें केवल निवास स्थल नहीं थीं, बल्कि शासक की शक्ति, धार्मिक आस्था और प्रशासनिक क्षमता का प्रतीक होती थीं। उदाहरण के लिए कुतुब मीनार, लाल किला और ताजमहल।

विषय का परिचय – शासक और इमारतें

जब हम "शासक और इमारतें" की बात करते हैं, तो हमारा मतलब मध्यकालीन भारत (लगभग 8वीं से 18वीं शताब्दी) के उन स्थापत्य चमत्कारों से है, जिन्हें राजपूत शासकों, दिल्ली सल्तनत के सुल्तानों और मुगल बादशाहों ने बनवाया। ये इमारतें सिर्फ सुंदरता के लिए नहीं बनी थीं। इनके पीछे गहरे उद्देश्य थे:

- शक्ति का प्रदर्शन: एक विशाल किला या ऊँची मीनार देखते ही लोग समझ जाते थे कि यहाँ का शासक बहुत ताकतवर है।
- धार्मिक पहचान: मस्जिदें, मंदिर, गुरुद्वारे – हर शासक अपने धर्म को बढ़ावा देना चाहता था।
- प्रशासनिक सुविधा: दीवान-ए-आम, दीवान-ए-खास जैसे भवन न्याय और प्रशासन के केंद्र थे।
- सार्वजनिक कल्याण: सराय (विश्रामगृह), कुएँ, बावड़ियाँ और पुल आम लोगों के लिए बनाए गए।

एक सरल उदाहरण लें – आपके घर का मुख्य दरवाजा। वह दरवाजा सिर्फ घर को बंद करने का काम नहीं करता, बल्कि यह बताता है कि इस घर का मालिक कौन है, उसकी सामाजिक स्थिति क्या है। बिल्कुल वैसे ही मध्यकाल की इमारतें शासक का "बयान" होती थीं।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि – स्थापत्य का विकास

11वीं शताब्दी से पहले भारत में मुख्यतः पत्थर और ईंटों से मंदिर, स्तूप और गुफा मंदिर बनते थे। लेकिन 12वीं शताब्दी के बाद तुर्की और अफगान आक्रमणकारियों के साथ इस्लामी स्थापत्य की नई शैली आई। धीरे-धीरे दोनों शैलियों का मिश्रण हुआ, जिसे इंडो-इस्लामिक स्थापत्य कहते हैं। मुगल काल में यह अपने चरम पर पहुँच गया।

महत्वपूर्ण बात यह है कि हर शासक ने अपनी विशेषता जोड़ी। उदाहरण के लिए:

- गुलाम वंश (दिल्ली सल्तनत): कुतुब मीनार, अलाई दरवाजा
- खिलजी वंश: सिरी का किला, हौज-ए-खास (जलाशय)
- तुगलक वंश: तुगलकाबाद किला, ढलान वाली दीवारें (बैटलमेंट)
- लोदी वंश: लोदी गार्डन (मकबरे)
- मुगल वंश: आगरा का किला, फतेहपुर सीकरी, लाल किला, ताजमहल

परीक्षा दृष्टिकोण: UPSC Prelims में अक्सर पूछा जाता है कि "कौन सा शासक किस इमारत से संबंधित है"। इसलिए इन्हें याद रखने के लिए एक तालिका बाद में दी जाएगी।

बुनियादी अवधारणा – शासक और इमारतों के बीच संबंध

एक शासक और उसकी बनवाई इमारत का गहरा रिश्ता होता है। उसे तीन स्तरों पर समझें:

1. प्रतीकात्मक स्तर

इमारत शासक की महानता का प्रतीक होती थी। जब कोई विदेशी राजदूत या व्यापारी दिल्ली आता, तो लाल किले की विशाल दीवारें और बुलंद दरवाजे देखकर मुगल बादशाह की शक्ति का अंदाजा लगाता था।

2. कार्यात्मक स्तर

इमारतें उपयोगिता के लिए बनती थीं – रक्षा के लिए किला, प्रार्थना के लिए मस्जिद, न्याय के लिए दीवान-ए-आम, कला-संगीत के लिए महफिल-खाना।

3. धार्मिक-सांस्कृतिक स्तर

हर शासक अपने धर्म को स्थापित करना चाहता था। मुगल बादशाह अकबर ने इबादतखाना बनवाया जहाँ सभी धर्मों के विद्वान आते थे। शाहजहाँ ने ताजमहल को प्रेम और इस्लामी कला का अद्वितीय नमूना बनाया।

वास्तविक जीवन का उदाहरण: आज भी अगर कोई बड़ा उद्योगपति कोई विशाल गगनचुंबी इमारत बनवाता है, तो वह अपनी सफलता दिखाना चाहता है। बिल्कुल वैसे ही शासक किले और महल बनवाते थे।

विस्तृत व्याख्या – निर्माण की तकनीक और सामग्री

मध्यकालीन इमारतें कैसे बनती थीं? उस समय आज जैसी मशीनें नहीं थीं, फिर भी बनी इमारतें सदियों तक टिकी हैं। आइए जानें उनकी तकनीक:

कच्चा माल

- पत्थर: लाल बलुआ पत्थर (आगरा, फतेहपुर सीकरी), काला संगमरमर, बलुआ पत्थर
- ईंटें: लखौरी ईंटें (छोटी और मजबूत)
- मोर्टार (गारा): चूना, बजरी और गुड़ (जैसे चीनी) का मिश्रण – यह पत्थरों को मजबूती से जोड़ता था
- लोहे के बीम और कड़ियाँ: स्तंभों को जोड़ने के लिए
- सजावटी सामग्री: सोना, चाँदी, कीमती पत्थर, नीली और हरी टाइलें (ग्लेज्ड टाइल्स)

निर्माण विधि

1. योजना बनाना: शाही वास्तुकार (मीमार) नक्शा बनाता था। उदाहरण – उस्ताद अहमद लाहौरी (ताजमहल के प्रमुख वास्तुकार)।
2. नींव खोदना: बहुत गहरी नींव खोदी जाती थी, क्योंकि इमारत बहुत भारी होती थी।
3. पत्थर तराशना: कारीगर पत्थरों को ठीक-ठीक वर्गाकार या आयताकार आकार देते थे।
4. जोड़ना: चूने के गारे से पत्थरों को एक-दूसरे से चिपकाया जाता था। गारे में बेलसन (नींबू सानना) से चिपचिपाहट बढ़ाई जाती थी।
5. नक्काशी और सजावट: पत्थरों पर फूल-पत्तियाँ, ज्यामितीय पैटर्न, और कुरान की आयतें उकेरी जाती थीं।
6. गुंबद और मेहराब: इस्लामी स्थापत्य की सबसे बड़ी देन। गुंबद अंदर से विशाल जगह बनाते थे, और मेहराब (मेहराब) पर भार वितरित होता था।

परीक्षा टिप: मेहराब (**Arch**) और गुंबद (**Dome**) की अवधारणा दिल्ली सल्तनत और मुगल काल में बहुत महत्वपूर्ण है। प्रश्न आता है – "निम्नलिखित में से किस स्थापत्य तत्व को तुर्की/इस्लामी दुनिया से भारत लाया गया?" उत्तर – मेहराब और गुंबद।

महत्वपूर्ण परिभाषाएँ

शब्द	परिभाषा (सरल हिंदी में)
मेहराब (Arch)	पत्थरों या ईंटों का घुमावदार ढाँचा जो दरवाजे या खिड़की के ऊपर बनाया जाता है। यह ऊपर के भार को नीचे की ओर बाँट देता है।
गुंबद (Dome)	अर्धगोलाकार छत, जो एक बड़े कमरे या मकबरे के ऊपर होती है। उदाहरण – ताजमहल का गुंबद।
किला (Fort)	चारों तरफ ऊँची दीवारों से घिरा हुआ सुरक्षित स्थान, जहाँ शासक अपने परिवार और सेना के साथ रहता था।
मस्जिद (Mosque)	मुसलमानों के सामूहिक प्रार्थना का स्थान। इसमें मीनारें, वजू का हौज, और क़िबला दीवार (मक्का की ओर) होती है।
मकबरा (Tomb)	मृत व्यक्ति की कब्र के ऊपर बनी इमारत। मुगल शासक अपने मकबरे अपने जीवनकाल में ही बनवा लेते थे।
बावड़ी (Stepwell)	सीढ़ियों वाला कुआँ। पानी इकट्ठा करने के लिए। आम लोग और यात्री यहाँ से पानी लेते थे।
सराय (Caravanserai)	सड़क किनारे बना विश्रामगृह। व्यापारी और यात्री यहाँ रुकते थे। इसमें कमरे, अन्न भंडार और पानी की व्यवस्था होती थी।

शासकों के प्रकार और उनकी इमारतों का वर्गीकरण

राजपूत शासक (8वीं-12वीं शताब्दी)

- इमारतें: दुर्ग, मंदिर, महल, झीलें

- विशेषता: भूल-भुलैया (उदाहरण – ग्वालियर का किला), बावड़ियाँ, किलों के चारों ओर खाई
- सामग्री: बलुआ पत्थर, ईंटें

दिल्ली सल्तनत के सुल्तान (1206-1526)

- नवीनता: मेहराब, गुंबद, इस्लामी लिपि की नक्काशी, ऊँची मीनारें
- महत्वपूर्ण उदाहरण: कुतुब मीनार (दुनिया की सबसे ऊँची ईंट की मीनार), अलाई दरवाजा, हौज-ए-खास

मुगल शासक (1526-1707 और बाद में)

- चरम स्थापत्य: संगमरमर, पीट्रा ड्यूरा (मूंगे और कीमती पत्थरों से फूल-पत्ती जड़ना), बागों के बीच इमारतें (चारबाग शैली)
- उदाहरण: ताजमहल, लाल किला, फतेहपुर सीकरी (पूरी तरह लाल बलुआ पत्थर से बनी बसाई गई नगरी)

वास्तविक जीवन से जुड़ाव – शासक और इमारतें आज

आज हम जब आगरा में ताजमहल देखने जाते हैं, तो हमें शाहजहाँ के प्रेम की कहानी याद आती है। लेकिन केवल प्रेम ही नहीं – ताजमहल उस समय के कारीगरों की कुशलता, लाखों रुपयों के खर्च और मुगल साम्राज्य की समृद्धि को भी दिखाता है। इसी तरह दिल्ली का लाल किला हमें याद दिलाता है कि कैसे औरंगजेब ने अपने भाई दारा शिकोह को हराकर गद्दी संभाली और इसी किले में कैद किया।

स्कूली परीक्षाओं में अक्सर पूछा जाता है – "एक स्मारक (मॉन्यूमेंट) को संरक्षित करना क्यों ज़रूरी है?" इसका जवाब है – ये हमें हमारा अतीत, हमारी सांस्कृतिक विरासत और हमारे पूर्वजों की शिल्प कौशल दिखाते हैं। ASI (भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण) इनकी देखभाल करती है।

UPSC, SSC, स्कूल परीक्षा में महत्व

UPSC प्रीलिम्स: पूछा जा चुका है – "निम्नलिखित में से कौन सी इमारत मुहम्मद तुगलक ने बनवाई थी?" (तुगलकाबाद किला)

SSC CGL: प्रश्न – "लाल किला किसने बनवाया था?" (शाहजहाँ)

स्कूल परीक्षा: 5 अंकों का प्रश्न – "दिल्ली सल्तनत काल की तीन प्रमुख इमारतों के नाम लिखिए।"

CTET/व्याख्याता परीक्षा: स्थापत्य कला के सामाजिक-सांस्कृतिक प्रभाव पर प्रश्न।

पिछले वर्षों के प्रश्नों का संकेत (PYQ Analysis)

- UPSC 2019 Prelims: मेहराब और गुंबद से संबंधित प्रश्न
- UPSC 2022: "सूल्तानत काल की 'मस्जिद' और 'मीनार' के वास्तुशिल्पीय अंगों" का उल्लेख
- SSC 2021: कुतुब मीनार किसने शुरू की? (कुतुबुद्दीन ऐबक)

महत्वपूर्ण तथ्य (Exam Booster)

1. कुतुब मीनार – विश्व की सबसे ऊँची ईंट की मीनार (72.5 मीटर)। निर्माण कुतुबुद्दीन ऐबक (1199) ने शुरू किया, इल्तुतमिश ने तीन मंजिल और बढ़ाई, और फिरोज शाह तुगलक ने 5वीं मंजिल बनवाई।

2. ताजमहल – 1632-1653 के बीच बना। 20,000 कारीगर लगे। इसमें यमुना नदी के किनारे 400 मीटर लंबा चारबाग है।
3. लाल किला – 1639-1648 के बीच बना। इसकी दीवारें 2.5 किमी लंबी हैं। यहाँ लाहौरी गेट और दिल्ली गेट प्रसिद्ध हैं।
4. फतेहपुर सीकरी – अकबर ने 1571-1585 के बीच बसाया। पूरी नगरी लाल बलुआ पत्थर से बनी। यहाँ बुलंद दरवाजा (54 मीटर ऊँचा) है, जो गुजरात विजय के प्रतीक के रूप में बनवाया गया था।
5. गुंबद का प्रकार – ताजमहल का केंद्रीय गुंबद 'प्याज के आकार' (बल्बस डोम) का है, जो फारस से प्रभावित है।

सामान्य गलतियाँ जो छात्र करते हैं

गलती	सही तरीका
कुतुब मीनार को सिर्फ कुतुबुद्दीन ऐबक की देन मानना	यह इल्तुतमिश और फिरोज तुगलक द्वारा भी विस्तारित की गई
मेहराब और गुंबद की उत्पत्ति भारत में बताना	दोनों इस्लामी दुनिया (ईरान, तुर्की) से आए
ताजमहल को केवल प्रेम का प्रतीक बताकर उसके वास्तुशिल्पीय गुणों की अनदेखी करना	परीक्षा में इसके सममिति (symmetry), चारबाग, पीट्रा ड्यूरा के बारे में पूछा जाता है
लाल किला को आगरा और दिल्ली में मिक्स करना	दोनों हैं – आगरा का किला (अकबर ने बनवाया) और दिल्ली का लाल किला (शाहजहाँ ने बनवाया)

स्मरण शक्ति ट्रिक (याद रखने का तरीका)

ट्रिक – "गु. मे. कु. लो. मु."

- गु – गुंबद
- मे – मेहराब
- कु – कुतुब मीनार (दिल्ली सल्तनत)
- लो – लोदी मकबरे (उद्यान शैली)
- मु – मुगल ताजमहल

मुगल शासक – इमारतें ट्रिक:

"हु. अ. ज. श."

हु. – हुमायूँ का मकबरा

अ. – अकबर (फतेहपुर सीकरी)

ज. – जहाँगीर (आगरा में नूरजहाँ का महल)

श. – शाहजहाँ (ताजमहल, लाल किला)

(Quick Revision)

- शासक इमारतें क्यों बनवाते थे? → शक्ति प्रदर्शन, धार्मिक पहचान, सार्वजनिक उपयोग, प्रशासन।
- दो नए स्थापत्य तत्व → मेहराब और गुंबद।
- चारबाग → फारसी उद्यान शैली, चार भागों में बँटा बाग, बीच में इमारत या जलस्रोत।
- पीट्रा ड्यूरा → संगमरमर पर रत्नों और मूंगे से फूल-पत्तियाँ जड़ना (ताजमहल)।
- बुलंद दरवाजा → अकबर ने गुजरात विजय पर बनवाया, फतेहपुर सीकरी में।
- हौज-ए-खास → अलाउद्दीन खिलजी का जलाशय।
- तुगलकाबाद किला → मुहम्मद तुगलक ने बनवाया, ढलानदार दीवारें।
- आगरा का किला → अकबर ने बनवाया, लाल पत्थर से।
- जामा मस्जिद दिल्ली → शाहजहाँ ने बनवाई, बहुत बड़ा प्रांगण।

सारांश तालिका

शासक वंश	प्रमुख शासक	प्रसिद्ध इमारत	विशेषता
गुलाम (मामलुक)	कुतुबुद्दीन ऐबक	कुतुब मीनार (प्रारंभ)	ईंट की ऊँची मीनार
गुलाम	इल्तुतमिश	कुतुब मीनार (3 मंजिल)	मीनार को विस्तार
खिलजी	अलाउद्दीन खिलजी	अलाई दरवाजा, हौज-ए-खास	मेहराब के साथ पहला गुंबददार प्रवेश द्वार
तुगलक	मुहम्मद तुगलक	तुगलकाबाद किला	ढलानदार दीवारें, खाई
तुगलक	फिरोज तुगलक	फिरोज शाह कोटला, कुतुब मीनार 5वीं मंजिल	सार्वजनिक भवन, अस्पताल
लोदी	सिकंदर लोदी	लोदी गार्डन के मकबरे	अष्टकोणीय आकार
मुगल	अकबर	फतेहपुर सीकरी, आगरा किला, बुलंद दरवाजा	हिंदू-इस्लामी मिश्रण
मुगल	शाहजहाँ	ताजमहल, लाल किला, जामा मस्जिद	संगमरमर, पीट्रा ड्यूरा, चारबाग

FAQs

1. शासक और इमारतें अध्याय में हम क्या सीखते हैं?

हम सीखते हैं कि मध्यकाल के राजाओं और सुल्तानों ने क्या-क्या इमारतें बनवाई (किले, मस्जिदें, मकबरे, सराय), वे क्यों बनवाई गईं और उनकी निर्माण तकनीक क्या थी।

2. मेहराब और गुंबद किस धर्म/संस्कृति से भारत आए?

इस्लामी दुनिया (तुर्की, ईरान) से। तुर्की शासकों ने 12वीं शताब्दी में इन्हें भारत लाया।

3. कुतुब मीनार क्यों प्रसिद्ध है?

यह विश्व की सबसे ऊँची ईंट की मीनार है (72.5 मीटर)। यह दिल्ली सल्तनत काल का शुरुआती इस्लामी स्मारक है, जिस पर अरबी और नागरी लिपियों में शिलालेख हैं।

4. ताजमहल का निर्माण किसने करवाया था?

मुगल बादशाह शाहजहाँ ने 1632-1653 के बीच अपनी पत्नी मुमताज महल की याद में बनवाया था।

5. चारबाग क्या होता है?

यह एक बाग होता है जो चार भागों में बँटा होता है। बीच में एक जलस्रोत या मकबरा होता है। यह फारसी उद्यान शैली है। ताजमहल के आगे चारबाग है।

6. बुलंद दरवाजा किसने बनवाया था?

मुगल बादशाह अकबर ने गुजरात विजय (1573) की स्मृति में बनवाया था। यह फतेहपुर सीकरी में है।

7. "पीट्रा ड्यूरा" तकनीक क्या है?

संगमरमर पर रंग-बिरंगे कीमती पत्थरों (लाजवर्द, मूंगा, फ़िरोज़ा) से फूल-पत्तियाँ और बेल-बूटे जड़ना। ताजमहल में इसका अद्भुत उदाहरण है।

8. लाल किला किस शहर में है – आगरा या दिल्ली?

दोनों जगह लाल किला है। दिल्ली वाला शाहजहाँ ने बनवाया (1639-48), आगरा वाला अकबर ने बनवाया (1565-73)।

9. NCERT Class 7 अध्याय 4 के प्रश्न-उत्तर कहाँ मिलेंगे?

NCERT की आधिकारिक वेबसाइट या इसी लेख के नीचे FAQ भाग में दिए गए उत्तरों से मिल जाएँगे। पूर्ण प्रश्नोत्तरी के लिए NCERT समाधान देख सकते हैं।

10. क्या यह अध्याय UPSC Prelims के लिए महत्वपूर्ण है?

हाँ, कला और संस्कृति (Art & Culture) में मध्यकालीन स्थापत्य UPSC Prelims का एक नियमित हिस्सा है। हर साल 1-2 प्रश्न पूछे जाते हैं।

11. सराय (caravanserai) किस काम आती थी?

व्यापारियों और यात्रियों के ठहरने के लिए। इसमें कमरे, पानी और जानवरों के लिए चारा उपलब्ध होता था। शेरशाह सूरी ने ग्रांड ट्रंक रोड पर कई सराय बनवाई थीं।

12. लोदी गार्डन दिल्ली में क्यों प्रसिद्ध है?

यहाँ लोदी वंश के कई शासकों के खूबसूरत मकबरे हैं, जो उद्यान के बीच स्थित हैं। यह अफगान शैली का अच्छा उदाहरण है।

निष्कर्ष

प्रिय छात्रों, "शासक और इमारतें" केवल पत्थरों की कहानी नहीं है। यह सत्ता, विश्वास, कला और शिल्प का मिलन स्थल है। जब अगली बार आप किसी किले या मीनार के पास से गुजरें, तो उसके हर पत्थर में एक शासक का स्वप्न, कारीगर का पसीना और एक पूरे युग का इतिहास देखने का प्रयास करें।

इस अध्याय के नोट्स, तालिकाएँ और FAQs परीक्षा में आपकी बहुत सहायता करेंगे। अभ्यास के लिए NCERT के पिछले प्रश्न और अतिरिक्त प्रश्नावली हल करें। यदि कोई संदेह हो, तो टिप्पणी में पूछें – मैं शीघ्र ही उत्तर दूँगा।

लेखक परिचय:

लेखक पिछले 4 वर्षों से UPSC एवं अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और अध्ययन से जुड़े हुए हैं। इनका वैकल्पिक विषय Public Administration रहा है। इन्होंने BCA तथा Advanced Diploma in Software की शिक्षा प्राप्त की है। वर्तमान में ये DevOps एवं Server Engineer के रूप में कार्यरत हैं और Education, Technology, NCERT Foundation एवं Competitive Exam Preparation से जुड़े विषयों पर गहराई से अध्ययन एवं लेखन करते हैं।

[Read मुगल साम्राज्य का इतिहास , संपूर्ण शासक, प्रशासन](#)

